

निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

बारिश थमते ही सड़कों की मरम्मत तेज

जबलपुर। बारिश के कारण शहर की क्षतिग्रस्त सड़कों को लेकर नगर निगम प्रशासन ने अब व्यापक स्तर पर मरम्मत और सुधार अभियान शुरू कर दिया है। मौसम खुलते ही शहर के अलग-अलग हिस्सों में सड़क सुधार के काम को गति दी जा रही है। निगम प्रशासन का दावा है कि प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, रियायशी क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराया जा रहा है। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्न' एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में चल रहे अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी क्रम में निगमायुक्त ने तकनीकी अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सड़क मरम्मत कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए।

गौरीघाट और तिलवारा के पहुंच मार्गों पर विशेष फोकस

नगर निगम प्रशासन के अनुसार शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों के अलावा धार्मिक एवं पर्यटन महत्व वाले मार्गों पर भी सड़क सुधार कार्य कराया जा रहा है। गौरीघाट तीर्थ मार्ग और तिलवारा घाट के पहुंच मार्गों को भी अभियान में शामिल किया



गया है। इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों और श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क की स्थिति बेहतर रखने को निगम प्रशासन प्राथमिकता दे रहा है।

हर साल बारिश में सड़कें होती हैं प्रभावित

निगम प्रशासन का कहना है कि बारिश के दौरान लगातार पानी, जलभराव और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का असर सड़कों

की सतह पर पड़ता है। यह समस्या केवल जबलपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्य महानगरों में भी मानसून के दौरान सड़कों को नुकसान पहुंचता है।

बारिश का दौर कमजोर पड़ते ही सड़क मरम्मत और पुनर्निर्माण के काम शुरू किए जाते हैं। इसी क्रम में जबलपुर नगर निगम ने भी आवश्यकता के अनुसार क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, सुधार और पुनर्निर्माण की कार्ययोजना पर काम तेज कर दिया है।

तैयार हो रही क्षतिग्रस्त सड़कों की सूची

नगर निगम सीमा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों को चिह्नित करने के लिए सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति का आकलन कर सूची तैयार करने को कहा गया है। इस सूची के आधार पर प्राथमिकता तय करते हुए मरम्मत, सुधार अथवा आवश्यकतानुसार सड़क के पुनर्निर्माण का कार्य करवाया जाएगा। निगम प्रशासन का कहना है कि नागरिकों की सुविधा और आवागमन को ध्यान में रखते हुए कार्यों को जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

गुणवत्ता और व्यवस्था के निर्देश

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने तकनीकी अधिकारियों से सड़क मरम्मत कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और मौके पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों को व्यवस्थित तरीके से कराने, गुणवत्ता का ध्यान रखने तथा नागरिकों को आवागमन में कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। नगर निगम प्रशासन के अनुसार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की पहचान और मरम्मत का कार्य आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जबलपुर- अयोध्या धाम स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की मांग

सिहोरा। जबलपुर से अयोध्या धाम तक चलने वाली साप्ताहिक 1705 अयोध्या एक्सप्रेस को नियमित करने की मांग स्थानीय जनों ने की है। विदित हो प्रति मंगलवार रात 7.40 बजे चलकर सिहोरा कटनी, मैहर, सतना से होते हुए दूसरे दिन प्रातः 2.15 बजे प्रयागराज पहुंचती है। वापसी में यह ट्रेन 01706 प्रयागराज से रात 9.35 पर चलकर सुबह 6-45 पर जबलपुर आती है।

वर्तमान में सिहोरा से प्रयागराज के लिए एक मात्र ट्रेन इटारसी-प्रयागराज पैसेंजर है। उक्त ट्रेन रात 12.00 बजे से 1 बजे के बीच सिहोरा आती है



जिसके कारण अस्थि विसर्जन करने जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। 15 से 6 घंटे तक यात्री प्लेटफार्म में समय गुजारते हैं। उक्त ट्रेन अगले दिन 11-12 बजे के पहले प्रयागराज नहीं पहुंची 350 कि॰ की दूरी तय करने में लगभग 12 घंटे का

समय लगने के कारण लोगों को फोर व्हीलर का सहारा लेना पड़ता है। 14-16 घन्टे में प्रयागराज से वापस भी आ जाते हैं लेकिन अल्प आय वर्गीय परिवार के लोगों को पैसेंजर ट्रेन ही एक मात्र विकल्प रहता है। यदि अयोध्या एक्सप्रेस को नियमित चलाया जाये तो यात्रियों को प्रयागराज यात्रा के लिए सस्ता विकल्प उपलब्ध होने के साथ साथ रेल मंत्रालय को भी आर्थिक लाभ होगा।स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों सहित रेल प्रबंधन से अयोध्या धाम एक्सप्रेस को नियमित चलाये जाने की मांग की है।

आज निकलेगी कांवड़ यात्रा, कटाव धाम से विष्णु बारह

मंदिर तक होगा आयोजन मझौली। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर मझौली में सावन के पावन अवसर पर भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह कांवड़ यात्रा 24 अगस्त, दिन सोमवार को सुबह 8:00 बजे कटाव धाम से प्रारंभ होकर विष्णु बाराह मंदिर मझौली तक जाएगी। यात्रा को लेकर आयोजन समिति एवं नगर के श्रद्धालुओं द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यात्रा में भगवान भोलेनाथ के जनकारों के साथ डीजे, झांकी एवं भजन मंडली भी शामिल रहेंगी। कटाव धाम से जल भरकर शिव भवत कांवड़ लेकर विष्णु बारह मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। आयोजन समिति ने नगर के सभी शिव भक्तों, माताओं-बहनों, युवाओं एवं सभी धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कांवड़ यात्रा को सफल बनाएं और पुण्य लाभ अर्जित करें। यात्रा के समापन पर विष्णु बारह मंदिर परिसर में प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया जाएगा।

तीन साल से जमे बृजेश मिश्रा- नितिन कमल पर आखिर किसका है वरदहस्त?

जबलपुर। पुलिस विभाग में तबादलों का दौर चला, कई थाना प्रभारियों की कुर्सियां बदली गईं। छह महीने, सात महीने और सालभर की पदस्थापना वाले अधिकारियों को भी प्रशासनिक जरूरत बताकर दूसरे थानों की राह दिखा दी गई। लेकिन तिलवारा और गोरखपुर थाने की कुर्सियां जैसे तबादला सूची से बाहर ही हो गईं। एक तरफ छोटी अवधि में थाना प्रभारी बदल दिए गए, दूसरी तरफ बृजेश मिश्रा और नितिन कमल लंबे समय से अपनी-अपनी कुर्सियों पर जमे हुए हैं। यही असमानता अब पुलिस महकमे के भीतर और आम लोगों के बीच सवाल खड़े कर रही है— आखिर इन दोनों अधिकारियों पर इतना भरोसा क्यों?

तीन साल से ज्यादा का कार्यकाल, फिर भी तबादला नहीं

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक बृजेश मिश्रा को 24 फरवरी 2024 को गढ़ा थाने से स्थानांतरित कर तिलवारा थाना प्रभारी बनाया गया था। इसके बाद जिले में कई बार तबादले हुए, थाना प्रभारियों की पदस्थापनाएं बदलीं, लेकिन तिलवारा में उनकी कुर्सी कायम रही। सवाल सीधा है— जब छह-सात महीने और सालभर के कार्यकाल वाले अधिकारियों को भी बदल दिया गया, तो तिलवारा में तीन साल से

तबादलों की आंधी में भी नहीं हिली दो थानों की कुर्सी!



अधिक समय तक एक ही अधिकारी को बनाए रखने की ऐसी कौन-सी प्रशासनिक मजबूरी है? गोरखपुर में भी वही कहानी

गोरखपुर थाना भी महत्वपूर्ण थाना क्षेत्रों में शामिल है। यहां नितिन कमल के लंबे समय से थाना प्रभारी बने रहने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। तबादलों की सूची में कई चेहरे इधर से उधर हो गए, लेकिन गोरखपुर की कुर्सी पर कोई बदलाव नहीं हुआ। आखिर क्यों? क्या दोनों अधिकारियों का कार्यदर्शन इतना असाधारण है कि तबादला नीति भी इनके सामने बेअसर हो जाती है? या फिर इनके लंबे कार्यकाल के पीछे कोई ऐसा प्रशासनिक समीकरण है, जिसकी जानकारी आम पुलिसकर्मी और जनता को नहीं है?

सबसे बड़ा सवाल अब यही है—आखिर कौन है वह ताकत, जिसका भरोसा इन दोनों अधिकारियों को लगातार मिला हुआ है? क्या यह महज प्रशासनिक विश्वास है? क्या इनके कार्यकाल की बाकायदा समीक्षा की गई? क्या इनका प्रदर्शन अन्य थाना प्रभारियों की तुलना में इतना बेहतर पाया गया कि इन्हें लगातार उसी स्थान पर बनाए रखना जरूरी समझा गया? अगर ऐसा है तो पुलिस विभाग इसे सार्वजनिक करने से क्यों हिचक रहा है? और यदि ऐसा नहीं है तो फिर तबादला नीति में यह दोहरा मापदंड क्यों? छह महीने वालों पर तबादले की तलवार, तीन साल वालों पर मेहरबानी क्यों? पुलिस महकमे में सबसे ज्यादा चर्चा इसी असमानता की है।

जिन थाना प्रभारियों को अभी क्षेत्र समझने का पर्याप्त समय भी नहीं मिला, उन्हें प्रशासनिक फेरबदल के नाम पर हटा दिया गया। वहीं दूसरी ओर लंबे समय से एक ही थाना संभाल रहे अधिकारियों के मामले में कोई बदलाव नहीं हुआ। क्या तबादला नीति सभी के लिए समान है या फिर कुछ कुर्सियों के लिए अलग नियम-कायदे हैं? अगर नियम समान हैं तो फिर तिलवारा और गोरखपुर अपवाद क्यों?

बढ़ाया मध्यप्रदेश पुलिस का मान

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक के पद पर जबलपुर में कार्यरत वर्षा पटेल, पिता गौरी शंकर पटेल, ने यूरोप महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट एलब्रुस को फतह कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। वर्षा ने 21 अगस्त 2026 को 18.510 फीट (5,642 मीटर) की ऊंचाई पर पहुंचकर शिखर पर भात का तिरंगा और मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराया।वर्षा की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ मध्यप्रदेश पुलिस, जबलपुर और पूरे प्रदेश का नाम रोशन हुआ है। बचपन से ही खेलकूद और पर्वतारोहण में रुचि रखने वाली वर्षा राष्ट्रीय स्तर की बेसबॉल खिलाड़ी भी रह चुकी हैं और विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 10 से अधिक पदक हासिल कर चुकी हैं। वर्षा पटेल ने वर्ष 2024 में ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट कोजियास्को पर भारत का तिरंगा फहराया था। इस उपलब्धि के साथ वह मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला आरक्षक बनी थीं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की सर्वोच्च चोटी पर तिरंगा पहुंचाया।अब माउंट एलब्रुस पर सफलता हासिल कर वर्षा ने अपने पर्वतारोहण अभियान को एक और बड़ी उपलब्धि से जोड़ दिया है।



माउंट एलब्रुस अभियान की शुरुआत 11 अगस्त 2026 को हुई थी। अभियान के दौरान मौसम लगातार चुनौतीपूर्ण बना रहा। खराब मौसम, तेज हवाओं और अत्यधिक ठंड के कारण पर्वतारोहण दल को कई दिनों तक अनुकूल मौसम का इंतजार करना पड़ा।20 और 21 अगस्त को मौसम कुछ अनुकूल हुआ तो दल ने अंतिम शिखर अभियान शुरू किया। रूस की कड़ाके की ठंड, तेज हवाओं और कठिन पर्वतीय परिस्थितियों के बीच वर्षा ने साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए चढ़ाई जारी रखी।21 अगस्त की सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर वर्षा पटेल माउंट एलब्रुस के शिखर पर पहुंचीं। शिखर पर पहुंचते ही उन्होंने गर्व के साथ भारत का तिरंगा और मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराया। यह पल उनके परिवार, पुलिस विभाग, जबलपुर और पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण रहा।

सातों महाद्वीपों की चोटियां फतह करने का सपना

वर्षा पटेल का लक्ष्य दुनिया के सातों महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों को फतह कर 'सेवन समिट' अभियान पूरा करना है। माउंट एलब्रुस की सफलता के बाद उनका अगला

लक्ष्य अफ्रीका महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट किलिमांजरो है।वर्षा ने कहा कि पर्वतारोहण उनके लिए केवल एक साहसिक गतिविधि नहीं, बल्कि तिरंगे को दुनिया की ऊंची चोटियों तक पहुंचाने का संकल्प है। कठिन परिस्थितियों में भी शिखर पर तिरंगा फहराने का सपना उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एनएसवाई आउटडोरस के नेतृत्व में अभियान माउंट एलब्रुस का यह अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण अभियान एनएसवाई आउटडोरस के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध भारतीय पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव ने किया। वर्षा पटेल की यह उपलब्धि महिला शक्ति, खेल प्रतिभा, अनुशासन और साहस का शानदार उदाहरण है। राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी से अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही तक का उनका सफर उन बेटियों के लिए प्रेरणादायक है, जो अपने सपनों को ऊंचाइयों तक ले जाने का हौसला रखती हैं। मध्यप्रदेश पुलिस की वंदी से लेकर यूरोप की सर्वोच्च चोटी तक वर्षा पटेल ने अपने वास्तव, संघर्ष और संकल्प से तिरंगे को नई ऊंचाई दी है।

रॉयल विहित पार्क कॉलोनी में कोर्ट के आदेश का उल्लंघन

स्टे के बावजूद निर्माण हुआ

तो शांति मंग की आशंका

आवेदन में रोहित पटेल ने पुलिस से न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। उन्होंने



भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं का उल्लेख करते हुए कहा है कि यदि न्यायालय के यथास्थिति आदेश के बावजूद दूसरा पक्ष जबरन निर्माण कार्य जारी रखता है, तो इससे विवाद और शांति मंग की स्थिति पैदा हो सकती है।शिकायतकर्ता ने थाना पुलिस से मांग की है कि न्यायालय के आदेश को थाना रोजनमाच में दर्ज करते हुए मौके पर जाकर निर्माण कार्य बंद कराया जाए और आदेश का

पालन सुनिश्चित किया जाए।

अब पुलिस की कार्यवाई पर नजर

प्लॉट विवाद में न्यायालय के यथास्थिति आदेश की प्रति पुलिस को सौंप जाने के बाद अब निगाह पुलिस की कार्यवाई पर है। शिकायतकर्ता का कहना है कि न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हुए विवादित स्थल पर किसी भी प्रकार का नया निर्माण नहीं होना चाहिये हालांकि, अतिक्रमण अथवा निर्माण को लेकर किए गए आरोपों की पुष्टि संबंधित राजस्व प्रशासनिक जांच और मौके के दस्तावेजों से ही हो सकेगी। फिलहाल शिकायतकर्ता ने पुलिस से न्यायालय के आदेश के अनुरूप तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

कलेक्टर ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती बच्चों के चल रहे उपचार की ली जानकारी

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की न्यूनेटल इंटेन्सिव केयर यूनिट पहुंचकर जिला अस्पताल छिंदवाड़ा से रेफर होकर आए बच्चों को दिये जा रहे उपचार की जानकारी ली। साथ ही संबंधित चिकित्सकों से चर्चा कर भर्ती बच्चों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान सभी संबंधित चिकित्सक व अधिकारी मौजूद थे।

नवीन अधिवक्ताओं को स्टाइपेंड या राहत निधि देने की मांग

पाती। ऐसे में चैंबर, पुस्तकें, कानून संबंधी सामग्री, आवागमन और अन्य व्यावसायिक खर्चों का भार उठाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। आर्थिक परेशानियों के चलते कई प्रतिभाशाली युवा अधिवक्ताओं को अपनी प्रैक्टिस बीच में छोड़कर दूसरे व्यवसायों की ओर रुख करना पड़ता है। संगठन ने कहा कि इसका सीधा असर न्याय व्यवस्था में आने वाली नई प्रतिभाओं पर पड़ता है।

न्याय व्यवस्था की मजबूत नींव हैं युवा अधिवक्ता

संगठन ने कहा कि अधिवक्ता केवल एक पेशे से जुड़े व्यक्ति नहीं, बल्कि संविधान, न्याय, नागरिक अधिकारों और विधिक जागरूकता के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। युवा अधिवक्ता ही भविष्य में न्याय व्यवस्था को नई

दिशा देने वाली पीढ़ी तैयार करते हैं। इसलिए उनके शुरुआती संघर्ष के दौर में सरकार का सीमित आर्थिक सहयोग उन्हें आत्मनिर्भर बनने तक महत्वपूर्ण सहारा दे सकता है।

जरूरतमंदों के लिए तय हो पात्रता

संगठन ने सरकार को सुझाव दिया है कि प्रस्तावित योजना में आय सीमा, बार काउंसिल पंजीयन, प्रैक्टिस की अवधि और अन्य आवश्यक पात्रता निर्धारित की जाए, ताकि सरकारी सहायता का लाभ वास्तविक रूप से जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर नवीन अधिवक्ताओं तक ही पहुंचे। संगठन ने शुरुआती पांच वर्षों के लिए सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।संगठन का मानना है कि यदि प्रदेश सरकार इस दिशा में ठोस पहल करती है, तो मध्य प्रदेश के हजारों युवा अधिवक्ताओं को अपनी प्रैक्टिस स्थापित करने में मदद मिलेगी।



वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की हुई बैठक

सिहोरा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा पाठक,संभागीय सचिव कृष्ण गोपाल पाठक,जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर गौतम,राम कुमार सेन तहसील सिहोरा अध्यक्ष प्रहलाद नायक,राजू भैया पटवा,राम निरंजन दुबे,आर एस.सेन,हेमराज कस्तवार,निरंजन पटेल,रामजी बर्मन,चेत राम विश्वकर्मा,गणेश

की कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष राकेश सिंह,एस.एस.एस.नायक,कोमल शुक्ला एवं समग्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी आदि उपस्थित थे। वक्ताओं ने आजीवन सदस्यता ग्रहण कर सदस्यता अभियान चलाने एवं संघ को मजबूत करने की बात कही। आभार प्रदर्शन तहसील अध्यक्ष द्वारा किया गया।



भगवान शिव का ज्योति स्वरूप ही द्वादश ज्योतिर्लिंग: ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद

जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मद्रासाल में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित श्री शिव महापूराण ज्ञान यज्ञ एवं असेंख्य रुद्धि निर्माण (पार्थिव शिवलिंग) के अंतर्गत रविवार को भगवती का हिंडोला पूजन किया गया। इसके साथ ही भगवान हरिहरेश्वर महादेव एवं पार्थिव शिवलिंगों का महारुद्राभिषेक और बिल्वपत्र अर्पण विधि-विधान से संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों ने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जालंधर अत्यंत पराक्रमी और अहंकारी असुर था। उसकी अजेय शक्ति का आधार उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रता धर्म था। जालंधर के अत्याचारों से त्रस्त देवताओं की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने लीला के मध्यम से वृंदा के पतिव्रत को भंग किया, जिसके बाद युद्ध में जालंधर का अंत हुआ।



कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की ओर से कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशन्स फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश\>@>2047 विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। कॉन्क्लेव की थीम वन इंस्टीट्यूट- वन प्रॉमिस रखी गई है।

कॉन्क्लेव का शुभारंभ 24 अगस्त को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश\>@>2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित विशेष संबोधन देंगे, जबकि मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा की ओर से कॉन्क्लेव की पृष्ठभूमि एवं संदर्भ प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरे सत्र में इन्क्लुसिव ईकोनोमिक ग्रोथ एण्ड सोसल इंपावरमेंट फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश\>@>2047 विषय पर चर्चा एवं आगे की कार्य योजना पर व्यापक विमर्श किया जाएगा। इस चर्चा में उपस्थित केन्द्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं शासन के अधिकारी भाग लेंगे।

खबर संक्षेप

हाईकोर्ट पहुंचा उपवन क्षेत्रपालों की पदोन्नति का मामला

भोपाल। वन विभाग में उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति न देने के कारण अब उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारी संगठन के माध्यम से उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर की है। याचिका में संगठन ने उपवन क्षेत्रपाल से पदोन्नति होकर वन क्षेत्रपाल बनने की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूरी कर आदेश जारी करने की मांग की है। मप्र वन नई कर्माचारी मंच के प्राताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार के पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत वन विभाग में भी वन क्षेत्रपाल से सहायक वन संरक्षक वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल एवं वनरक्षक से वनपाल लिपिक से मुख्य लिपिक एवं भुत्य से लिपिक के पद पर पदोन्नति करने के आदेश तो जारी किए गए हैं। लेकिन दो माह का समय निकल जाने के बादजूद भी उप वनक्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति करने के आदेश राज्य मंत्रालय वन विभाग द्वारा जारी नहीं किए गए है। वही उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के वन कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो रहे हैं फिर भी वन विभाग द्वारा पदोन्नति देने पर आधार प्रदर्शित करने के लिए 24 अगस्त को आईआईएफएम प्रांगण में मुख्यमंत्री का सम्मान कार्यक्रम रखा गया है।

मोस्ट इम्पैक्टफुल ऑथर श्रेणी में डॉ. अतुल को साहित्य रत्न सम्मान



इंदौर। राजनीतिक रणनीतिकार और लेखक डॉ. अतुल मलिकराम को साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है। उन्हें चेरी बुक अवार्ड्स की ओर से मोस्ट इम्पैक्टफुल ऑथर श्रेणी में यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. मलिकराम की पुस्तकें दिल से, गल्लां दिल दी, दिल मिल, दिल दश्त और दिल जरा में सामाजिक सरोकारों, राजनीति और आम जीवन से जुड़े विषयों को अलग-अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है।

कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशन्स फॉर समृद्ध मप्र @2047 पर कॉन्क्लेव आज



फाइल फोटो।

एमओयू एवं दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग पर जोर

राज्य में स्थित केंद्रीय, राजकीय संस्थानों एवं प्रदेश सरकार के बीच बेहतर समन्वय एवं दीर्घकालिक साझेदारी के लिए कॉन्क्लेव के दौरान सुशासन संस्थान एवं केन्द्रीय संस्थानों के मध्य एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। सुशासन संस्थान का यह प्रयास मप्र में सरकार—शिक्षा—अनुसंधान—उद्योग—नवाचार के बीच सशक्त इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कॉन्क्लेव से उभरने वाले सहयोगों को आगे चलकर परियोजनाओं, संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी समाधान और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से मूर्त रूप दिया जाने का लक्ष्य है।

130 से अधिक संस्थानों की व्यापक सहभागिता

इस कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थित आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, एमएनआईटी भोपाल, एम्स भोपाल, आईआईआईटीएस, एनएफएसयू भोपाल, डीआरडीओ, आईएसआरओ, राष्ट्रीय एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित कृषि, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कौशल विकास और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इन केन्द्रीय संस्थानों से बेहतर

समन्वय के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख संस्थानों को भी कॉन्क्लेव में आमंत्रित किया गया है। मुख्य रूप से राज्य में स्थित 59 केन्द्रीय संस्थानों, 26 राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, 11 राज्य स्तरीय शासकीय इंजीनियरिंग एवं 19 शासकीय मेडिकल महाविद्यालय, 8 राज्य स्तरीय शोध संस्थानों तथा 9 चयनित निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के आने की संभावना है।

वन इंस्ट्रीट्यूट-वन प्रॉमिस

इसका उद्देश्य मप्र की विकास प्राथमिकताओं को अगगी केन्द्रीय संस्थानों की शोध, तकनीकी विशेषज्ञता, आधुनिक अव्योर्धचना, एवं मानव संसाधन से जोड़ते हुए भविष्य के लिए संस्थागत साझेदारी का प्रभावी मंच तैयार करना है। इसके माध्यम से केन्द्रीय संस्थानों की विशेषज्ञता को राज्य की वर्तमान विकास चुनौतियों एवं विकास अवधारणा से जोड़कर समाधान विकसित करने पर बल दिया जाएगा। इसके तहत उपस्थित संस्थान मप्र के लिए एक सार्थक एवं क्रियाव्धजन योग्य संकल्प के लिए प्रतिबद्धता देंगे, जिसे राज्य की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा सके।

सीएन डॉ. मोहन ने केंद्रीय मंत्री नहुा से की मेंट



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री

जेपी नड्डा के निवास पर मेंट और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

प्रदेश में 20 अगस्त से चल रहा है फार्मर आईडी बनाने का अभियान

किसानों के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं दिखने देंगे: सीएम

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में फार्मर आईडी बनवाने का अभियान 20 अगस्त से शुरू किया गया है। किसानों को अब न कहीं भटकना होगा और न ही लंबी लाइनों में लगना होगा। शासकीय दल खुद किसानों के पास जाकर उनकी फार्मर आईडी बनवाएंगे। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी जरूर बनवाने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसान के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं आने देंगे। शिवपुरी जिले के किसानों की मेहनत से उपजी मूमफल का डंका पूरे देश में बज रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वचुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि अब खाद के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पैसे की कमी हमारे किसी भी किसान के आड़े न आए, इसके लिए हमारी सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सिर्फ पारम्परिक फसलों तक ही सीमित न रहे, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आमदनी वाले अन्य क्षेत्रों को भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ है। हम सब मिलकर शिवपुरी जिले को कृषि का सिरमौर बनाएंगे।

मुख्यमंत्री नई

दिल्ली से शिवपुरी

के बलराम कृषि

महोत्सव में वीसी

से हुए शामिल



वीसी में शामिल सीएम।

किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक खरीद सकेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ई-विकास प्रणाली को और अधिक प्रभावी, सहज, सरल एवं किसान हितैषी बनाया गया है। ई-विकास 2.0 से किसानों को अपनी आवश्यकता के

अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि ई-विकास 2.0 में किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेगा।

महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का अद्भुत पर्व

सीएम ने कहा कि शिव की नगरी शिवपुरी जिले में केन-बेतवा-पार्वती-सिंध-महुआ नदियों से पंचामृत की तरह आपके खेतों को जल मिल रहा है। उन्होंने शहीद तात्या टोपे के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि बलराम जयंती महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का एक अद्भुत पर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजना चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पहले ऋण की राशि 31 मार्च तक जमा करनी होती थी, अब उससे निजात मिलेगी।

रात को बिजली संकट खत्म

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल जो किसान चना या गन्ने की फसल लगाएंगे, उन्हें इन फसलों के लिए पूरे समय दिन में बिजली दी जाएगी। रात की बिजली का संकट खत्म होगा। इससे सिंचाई के लिए किसानों को रातभर जागने की परेशानी अब खत्म हो जाएगी। सीएम ने आगामी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लाडली बहना योजना की राशि रक्षाबंधन त्यौहार से पूर्व सभी के खातों में भेजी गई है।

हाथी ने नेशनल हाइवे पर डाला डेरा, यातायात प्रभावित

इलाके में हड़कंप, इधर-उधर भागते दिखे लोग, हाथी देख लोगों ने रोके वाहन

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

कटघोरा वन मंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का मूवमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है। अब हाथियों की मौजूदगी केवल जंगल और खेतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे नेशनल हाईवे तक पहुंचने लगे हैं। ताजा मामला चोटिया-चिरमिरी मार्ग का है, जहां एक जंगली हाथी ने हाईवे पर डेरा डाल दिया, जिससे हड़कंप मच गया और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जानकारी के अनुसार, चोटिया-चिरमिरी नेशनल हाईवे पर अचानक एक विशाल जंगली हाथी सड़क के बीचों-बीच आकर खड़ा हो गया। हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे वाहनों के सामने अचानक हाथी को देखकर चालकों ने तुरंत ब्रेक लगा दिए। हाथी जब वाहनों की तरफ बढ़ने लगा तो वहां अफरा-तफरी मच गई।



नजदीक नहीं जाने की हिदायत दी। सुरक्षा को देखते हुए सड़क पर अस्थायी बैरिकेडिंग की गई और हाथी को धीरे-धीरे जंगल की ओर मोड़ने का प्रयास किया गया। काफी मशक्कत के बाद हाथी जंगल की ओर लौटा, तब जाकर यातायात बहाल हो सका। बता दें कि, पिछले कुछ महीनों से कटघोरा वन मंडल में हाथियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। कभी

जंगल, कभी खेत और कभी नदी किनारे हाथियों को देखा जा रहा है। इससे आसपास के ग्रामीणों और किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने पहले भी फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथी दिखने पर उसके करीब न जाएं और तुरंत विभाग को सूचना दें।

एसडीआरएफ-एनडीआरएफ की टीमें चला रही थीं अभियान

77 घंटों बाद देर रात पानी की सतह पर दिखा शव

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

नया रायपुर के नकटी गांव स्थित ब्लू वॉटर में बुधवार शाम डूबे 24 वर्षीय आदिल खान का शव आखिरकार करीब 77 घंटे बाद बरामद कर लिया गया। शनिवार देर रात पानी की सतह पर शव दिखाई देने के बाद रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकाला। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों का कई दिनों से चला आ रहा इंतजार खत्म हुआ।

आदिल की तलाश के लिए बुधवार से ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें लगातार अभियान चला रही थीं। ब्लू वॉटर की गहराई और पानी के भीतर शव के चले जाने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दिन-रात तलाश के बावजूद शुरुआती तीन दिनों में टीम को सफलता नहीं मिल सकी। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम



ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली थी। रेस्क्यू टीमों ने पानी के अलग-अलग हिस्सों में तलाश की। परिजनों की नजरें लगातार घटनास्थल पर टिकी थीं और उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही आदिल का पता चल जाएगा। शनिवार रात अचानक शव पानी की सतह पर नजर आया, जिसके बाद टीम ने तत्काल उसे बाहर निकाला।

पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मौहदाफरा निवासी आदिल खान बुधवार शाम अपने तीन दोस्तों के साथ ब्लू वॉटर घूमने गया था। इसी दौरान दोस्तों के बीच पानी में तैरकर एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुंचने की लेक्चर शर्त लग गई। आदिल और उसका एक दोस्त पानी में उतर गए। बताया गया कि कुछ दूरी तक तैरने के बाद आदिल अचानक गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते वह पानी में समा गया, जबकि उसका दोस्त किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आया। इस घटना ने एक बार फिर गहरे



और अनजान जलस्रोतों में बिना सुरक्षा उपायों के तैरने के खतरे को सामने ला दिया है। स्थानीय स्तर पर ऐसे स्थानों पर चेतावनी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► गौरेला-पेड़ा-गरवाही

थाना क्षेत्र के कटरा गांव के दूरस्थ थानाचल इलाके दपनीपानी में शनिवार को तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बैगा दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।



जानकारी के अनुसार, कटरा गांव से दूर जंगल में नदी के पास घर बनाकर रहने वाले मंगल सिंह पिता माधो (46) और उनकी पत्नी बिरस्पति्या बाई (43) अपने घर पर मौजूद थे। बिरस्पति्या बाई घर के अंदर खाना बनाने की तैयारी कर

अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित किया

दंपती के बच्चे घटना के समय पड़ोसी के घर में थे, जिस कारण वे बच गए। परिजनों और ग्रामीणों की नजर जब मंगल सिंह और बिरस्पति्या बाई पर पड़ी तो तत्काल दोनों को डायल 108 घंघुलेंस की मदद से लासुद्धरिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम सहित अन्य कानूनी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंपे जाने की कार्रवाई की जा रही है।

बाणसागर बांध
लबालब, आज सुबह
खुल सकते हैं जलद्वार

शहडोल। जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते बाणसागर जलाशय का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। बांध की सुरक्षा और जल प्रबंधन को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने रविवार दोपहर एक आधिकारिक चेतावनी जारी की है। यदि जल की आवक इसी रफ्तार से जारी रही, तो सोमवार 24 अगस्त की सुबह 6 बजे से बांध के मुख्य रैडियल दरवाजों (गेटों) को खोलकर सोन नदी में अतिरिक्त जल छोड़ा जा सकता है। कार्यपालन यंत्री एस.के. शर्मा द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर 12 बजे तक बाणसागर बांध का जलस्तर 340.11 मीटर मापा गया। बांध की कुल भराव क्षमता (पूर्ण जल भराव स्तर) 341.64 मीटर है। इस प्रकार जलाशय का जलस्तर अपनी अंतिम सीमा से महज 1.53 मीटर ही नीचे रह गया है।

4 घंटे में एक इंच से ज्यादा बारिश

बालाघाट। बालाघाट जिले में पिछले आठ दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बीते 24 घंटों में जिले में एक इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। चालू मानसून सीजन में अब तक कुल 35 इंच बारिश हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 इंच कम है। पहले सबसे कम बारिश वाले खैरलांजी तहसील में अब आंकड़ा बढ़ गया है। जिले में अब कटंगी तहसील में सबसे कम 25 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं, बालाघाट तहसील में सर्वाधिक 48 इंच वर्षा हुई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 56 इंच है। हालांकि, औसत वर्षा के अनुसार अब तक जिले में 43 इंच बारिश हो जानी चाहिए थी, लेकिन यह आंकड़ा अभी भी पीछे है।

नदी में डूबे दो मासूम, एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी
सतना। कच्चा स्थित रेलवे पुल के पास रविवार को सेमरवाल नदी में नहाते समय एक बड़ा हादसा हो गया। नदी के तेज बहाव की चपेट में आने से दो नाबालिग बच्चे डूब गए। घंटों चले राहत और बचाव कार्य के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने एक बच्चे का शव घटना स्थल से करीब ढाई किलो मीटर दूर बरामद कर लिया है,जबकि दूसरे मासूम की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

खेत के विवाद में युवक पर डंडे से हमला, जान से मारने की धमकी

अमानगंज। खेत के विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि खेत के संबंध में बातचीत के दौरान भारत ने उसके साथ विवाद करते हुए डंडे से हमला कर दिया। डंडे की चोट बायीं अंग के पास लगने से खून निकलने लगा। फरियादी के अनुसार आरोपी ने घटना के बाद धमकी देते हुए कहा कि आज तो बच गया है, दोबारा खेत के बारे में बात की तो जान से खत्म कर दूंगा। खेत से वापस आने के बाद उसने घटना की जानकारी अपनी दादी रामरती वैद्यरी, दादा जगन्ना वैद्यरी एवं गांव के बख्त प्रताप सिंह राजपूत को दी। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 296(बी), 115(2) एवं 351(3) बीआरएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

रास्ते में रोककर युवक से मारपीट, गाली-गाली और जान से मारने की धमकी

अमानगंज। ग्राम पिपरवाह में सिरी तिराहा के पास एक युवक के साथ मारपीट, गाली-गाली और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम पिपरवाह निवासी रज्जम उर्फ राजेन्द्र यादव (38) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 21 अगस्त की रात करीब 10 बजे वह अमानगंज से अपने घर लौट रहा था। सिरी तिराहा के पास उसे गांव का हक्क लाल वैद्यरी मिला, जिससे वह बातचीत करने लगा। इसी दौरान गांव का शैलू यादव वहां पहुंचे और हक्क लाल को बुलाने की लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि शैलू ने गाली देने से लमा करने पर फरियादी की शर्ट का कॉलर पकड़कर थपड़ मारा और जमीन पर पटक दिया। इसी दौरान जगन यादव और नरेंद्र यादव भी मौके पर पहुंचे और गाली-गाली करते हुए मारपीट करने के लिए उकसाया। फरियादी के विलापे पर हक्के बेटा यादव और हरिशचन्द्र यादव ने बीच-बचाव किया।

प्रेमिका को पाने के लिए प्रेमी ने रची खौफनाक साजिश

2 मासूमों का अपहरण कर कुएं में फेंका, दोनों के मिले शव

लवकुशनगर।

थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अपनी शादीशुदा प्रेमिका को पाने की अंधी सनक में एक प्रेमी ने उसके दो मासूम बेटों का अपहरण कर उन्हें जिंदा कुएं में फेंक दिया। शुक्रवार दोपहर से लापता दोनों सगे भाइयों के शव पहाड़तरे के पुरवा स्थित एक कुएं से बरामद किए गए हैं। इस दोहरे हत्याकांड के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश भी शुरु कर दी है।

स्कूल से घर लौटते वक्त हुए थे लापता

जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर के वार्ड नंबर-2, सिद्धन मोहल्ला निवासी निरपत यादव के दो बेटे—सचिन यादव (11) और प्रेम यादव (9), जो स्थानीय क्लाइमेक्स



इंग्लिश स्कूल के छात्र थे, शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे अचानक लापता हो गए थे। जब बच्चे काफी देर तक घर नहीं पहुंचे, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। सुराग न मिलने पर बच्चों की मां संगीता यादव ने लवकुशनगर थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया था।

सर्च ऑपरेशन के दौरान कुएं से मिले शव

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कई टीमें गठित कर सीसीटीवी फुटेज और संभावित रास्तों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच और सुरागों के आधार पर पुलिस जब पहाड़तरे के पुरवा के पास स्थित कुएं तक पहुंची, तो वहां दोनों बच्चों के शव उतराते मिले। पुलिस बल ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों

शवों को बाहर निकाला और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

प्रेमिका को पाने की सनक में वारदात को अंजाम -

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी बालकेश सिंह महिला का प्रेमी है और वह महिला को अपने साथ रखने की जिद पर अड़ा था। इसी सनक के चलते उसने रास्ते का कांटा मानकर दोनों मासूमों का बाइक से अपहरण किया और उन्हें कुएं में फेंककर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया।

दो मासूम बच्चों की नृशंस हत्या की खबर फैलते ही पूरे कस्बे व यादव समाज में गहरा रोष फैल गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

इनका कहना है -

पिछले दो दिनों से पांच थानों की अलग-अलग टीमें तलाश में लगी थीं। आज सर्चिंग के दौरान जानकारी लगी कि जुझारनगर थाना क्षेत्र के एक कुएं में दोनों बच्चों के शव मिले हैं। बालकेश सिंह पूर्व से इनका पारिवारिक मित्र था और घर पर आना-जाना था इसलिए बच्चे उसके साथ चले गए। इसके पश्चात किन परिस्थितियों में बच्चों की मृत्यु की गई यह अभी जांच का विषय है। आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

रजत सकलेचा, एसपी छतरपुर

कलयुगी बेटे ने पत्थर से कुचलकर की 50 वर्षीय मां की हत्या, दोनों बेटे हिरासत

छतरपुर। जिले के बमनौरा थाना क्षेत्र में 50 वर्षीय महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला की हत्या पत्थर से हमला कर किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतका की हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलते ही बमनौरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर जांच शुरू की। मृतका के दो बेटे बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस ने दोनों बेटों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

बमनौरा थाना प्रभारी अधिषेक पांडे के अनुसार, महिला की मौत



किन परिस्थितियों में हुई और हत्या में किसकी भूमिका है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर पूछताछ कर रही है।

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बड़ामलहरा सिविल अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और हत्या की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

खेत में जहरीले सर्प ने काटा, 63 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के पीरा गांव में खेत पर काम कर रहे 63 वर्षीय बुजुर्ग की सर्पदंश से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन बुजुर्ग को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में मातम पसर गया।

जानकारी के अनुसार, पीरा गांव निवासी बब्बू आदिवासी (63) खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सर्प ने उन्हें काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने बुजुर्ग का उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के



कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत की खबर जैसे ही परिजनों और ग्रामीणों को मिली, गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बताया जा रहा है कि खेत में काम करने के दौरान सर्प के

अचानक सामने आने से यह हादसा हुआ। ग्रामीण इलाकों में बारिश के मौसम में खेतों और आसपास के क्षेत्रों में जहरीले सर्प निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में खेतों में काम करने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने

की जरूरत है। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के शव को आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंपे जाने की प्रक्रिया की गई। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

चार हाथ और चार पैर होने की सूचना से मची हलचल

लवकुशनगर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुशनगर स्वास्थ्य केंद्र से एक बेहद दुर्लभ और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नवजात शिशु के जन्म के बाद उसके शरीर में चार हाथ और चार पैर होने की जानकारी सामने आई है। नवजात के जन्म की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है।

प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर स्वास्थ्य केंद्र में महिला का प्रसव कराया गया। प्रसव के बाद जब नवजात को देखा गया तो उसके शरीर की असामान्य संरचना सामने आई। बताया जा रहा है कि बच्चे के चार हाथ और चार पैर हैं। इस दुर्लभ जन्म को देखकर स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद लोग और परिजन भी हैरान रह गए।

बताया गया है कि प्रसव के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की नर्सों ने तत्परता और सज्जबूझ के साथ स्थिति को संभाला। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक नवजात की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि जन्म के बाद बच्चा स्वस्थ नजर आ रहा है और उसकी देखभाल की जा रही है।

हालांकि, बच्चे की वास्तविक चिकित्सकीय स्थिति को



लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। चिकित्सकों द्वारा नवजात की जांच किए जाने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शरीर में अतिरिक्त अंगों की स्थिति किस प्रकार की है और बच्चे को आगे किसी विशेष उपचार अथवा विशेषज्ञ चिकित्सा की आवश्यकता होगी या नहीं।

चिकित्सा विज्ञान में शरीर में अतिरिक्त हाथ-पैर जैसी जन्मजात असामान्य स्थिति को पॉलीमेलिया जैसी दुर्लभ जन्मजात विकृति से जोड़ा जाता है। हालांकि, इस मामले में बिना चिकित्सकीय जांच, विशेषज्ञ की राय और आधिकारिक

रिपोर्ट के किसी निश्चित बीमारी या विकृति का नाम देना उचित नहीं होगा। घटना की जानकारी सामने आने के बाद लवकुशनगर क्षेत्र में भी लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्वास्थ्य केंद्र के आसपास लोग इस दुर्लभ जन्म को लेकर जानकारी लेते नजर आए। वहीं, नवजात के परिजन फिलहाल बच्चे की देखभाल में जुटे हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग और संबंधित चिकित्सकों की जांच के बाद ही इस मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। खास तौर पर यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि नवजात के अतिरिक्त अंग किस प्रकार विकसित हुए हैं और उनका शरीर की सामान्य संरचना से क्या संबंध है।

फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर इतना ही कहा जा सकता है कि लवकुशनगर स्वास्थ्य केंद्र में चार हाथ और चार पैर वाले नवजात के जन्म की सूचना सामने आई है, लेकिन बच्चे की चिकित्सकीय स्थिति और जन्मजात असामान्यता की प्रकृति की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। स्वास्थ्य विभाग या चिकित्सकों की ओर से जैसे ही इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी, जांच रिपोर्ट या विशेषज्ञ की राय सामने आती है, उसके आधार पर घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

सिवनी में किन्नर समाज के दो गुट आमने-सामने, क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद गहराया

सिवनी। सिवनी जिले में किन्नर समाज के दो गुटों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। संजय वाई टिंगा मोहल्ला निवासी जिले के किन्नर समाज की गुरु कशिषा नायक किन्नर ने अपने साथियों के साथ सिवनी कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस ने मामले में एनसीआर क्रमांक 0649/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 352 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। शिकायतकर्ता 37 वर्षीय कशिषा नायक ने पुलिस को बताया कि कई पीढ़ियों से उनके गुरु-दादगुरु सिवनी एवं सिवनी के आसपास के क्षेत्रों में नेमा मांगते आ रहे हैं, जिसका प्रमाण उनके पास मौजूद है। आरोप है कि विगत कुछ महीनों से महाराष्ट्र एवं अन्य प्रदेशों के कुछ किन्नर सिवनी जिले के भोमा, कान्हीवाड़ा, पलारी, केवलारी और बरघाट क्षेत्रों में पहुंचकर कथित रूप से वसूली कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार स्थानीय किन्नर समाज द्वारा उन्हें समझाइश दी गई कि वे इन क्षेत्रों में क्यों घूम रहे हैं और यहां से चले जाएं। आरोप है कि इसके बाद बेबी नायक एवं उसका चेला मुस्कान निवासी नागपुर, महाराष्ट्र सहित अन्य लोगों द्वारा गाली-गलौज की गई और गोली मारने की धमकी दी गई। प्रार्थी के अनुसार दो दिन पूर्व भी इस संबंध में थाने में सूचना दी गई थी, लेकिन 22 अगस्त को पुनः वही लोग सैकड़ों चेलों के साथ वाहनों में घूमते हुए दिखाई दिए।

नरसिंहपुर जिला बना नींदियों का गढ़।

गोटेगांव। नरसिंहपुर जिले में इन्ना दिनें प्रशासनिक गतिविधियों की तस्वीर देखें तो बैठकों की कोई कमी नजर नहीं आती। सप्ताह में कई दिन अलग-अलग विभागों की बैठकों, समीक्षा बैठकों, निर्देश और प्रगति रिपोर्ट... और सोमवार आते ही टीएल (टाइम लिमिट) बैठक का सिलसिला। बैठकों का यह दौर लगातार जारी है, लेकिन अब सवाल यह उठने लगा है कि इन बैठकों के बीच जमीनी विकास की रफ्तार आखिर कहां है?बैठकों में योजनाओं की समीक्षा होती है, अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए जाते हैं, लक्षित मामलों पर चर्चा होती है और प्रगति के आंकड़े सामने रखे जाते हैं। लेकिन जगला की नजर उस रिपोर्ट पर नहीं, बल्कि सड़क, नाली, पानी, सफाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं में दिखाई देने वाले बदलाव पर है।बैठक पर बैठक... फिर भी जनता इंतजार मेंप्रशासनिक बैठकों का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना और विकास कार्यों को गति देना है। लेकिन यदि बैठक के बाद भी वही समस्याएं अगली बैठक की समीक्षा सूची में फिर दिखाई दें तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

गामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ा,यूपी से जुड़ा अपराधिक नेटवर्क-पीड़िता द्वारा तुरंत शोर मचाए जाने पर पास के ग्राम मोटार साइकिल से तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी की और दोनों लुटेरों को धर दबोचा। सूचना मिलते ही डायल-112 और चित्रकूट थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों की पकड़ का सामान बरामद-चित्रकूट पुलिस ने आरोपियों के लूट के से लूटा गया सोने का लोकर्ट और वारदात में इस्तेमाल मोटर साइकिल (UP76CZ2963) जब्त कर ली है।

चित्रकूट में दिनदहाड़े महिला का मंगलसूत्र लूटा

सतना। चित्रकूट थाना क्षेत्र अंतर्गत गुप्त गोदावरी के समीप मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने एक महिला का रास्ता रोककर दिनदहाड़े सोने का मंगलसूत्र लूट लिया। हालांकि पीड़िता के शोर मचाते ही गामीणों ने अपनी सज्जबूझ और तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। रास्ता रोककर दिया वारदात को अंजाम-जानकारी के अनुसार,ग्राम पालदेव (नोबरता) निवासी पीड़िता श्रीमती पुष्पा देवी (32 वर्ष) अपने मायके से वापस ससुराल लौट रही थीं। शाम लगभग अबजे गुप्त गोदावरी के पास पीछे से आए एक मोटर साइकिल सवार दो बदमाशों ने उनके आगे अपनी गाड़ी अड़ाकर रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने महिला को डरा-धमकाकर उसके गले से सोने के लॉकेट वाला मंगलसूत्र छीन लिया और भागने लगे। गामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ा,यूपी से जुड़ा अपराधिक नेटवर्क-पीड़िता द्वारा तुरंत शोर मचाए जाने पर पास के ग्राम मोटार के निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी की और दोनों लुटेरों को धर दबोचा। सूचना मिलते ही डायल-112 और चित्रकूट थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों की पकड़ का सामान बरामद-चित्रकूट पुलिस ने आरोपियों के लूट के से लूटा गया सोने का लोकर्ट और वारदात में इस्तेमाल मोटर साइकिल (UP76CZ2963) जब्त कर ली है।



एफआईआर



रिश्ते का कत्ल

कर्ज, संपत्ति विवाद व शादी न होने की अनबन ने एक बेटे को हैवान बना दिया और उसने रिश्तों का कत्ल करते हुए देर रात जन्म देने वाली मां व बड़े भाई को मौत के घाट उतार दिया। शहर के मध्य हुए दोहरे हत्याकांड की खबर सुबह होते ही पूरे शहर में फैल गई और घटनास्थल के आसपास सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने खुद के हाथ-पैर बांधकर डकैती की झूठी कहानी रची, लेकिन कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया और दोहरे हत्याकांड के मामले में छोटे बेटे को गिरफ्तार कर लिया।

कलयुगी निकला छोटा बेटा, दौलत के लालच में मां और बड़े भाई की बेरहमी से कर दी हत्या

जगदलपुर से राजेश दास

घ

टना 11 जुलाई 2024 के रात 12 बजे से सुबह 7 बजे के बीच हुई। घर में घुसकर मां और बेटे की हत्या करने वाला कोई बाहरी बदमाश नहीं, बल्कि घर का ही छोटा बेटा नितेश गुप्ता निकला। आरोपी ने कर्ज, संपत्ति विवाद और शादी न होने की अनबन के चलते अपनी सगी मां गायत्री गुप्ता और बड़े भाई निलेश कुमार गुप्ता को मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने खुद के हाथ-पैर बांधकर डकैती की झूठी कहानी रची थी, लेकिन कड़ाई से पूछताछ के बाद बस्तर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया। 11 जुलाई को यह घटना तब सामने आई जब सुबह कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि अनुपमा चौक स्थित निलेश किराना स्टोर के घर के भीतर मां गायत्री गुप्ता और उनके बड़े बेटे निलेश गुप्ता की लहलुहान लाशें पड़ी हुई हैं। वहीं छोटा बेटा नितेश गुप्ता घर के बाथरूम में बेहोशी की हालत में हाथ-पैर बंधा हुआ मिला। घर का सामान बिखरा हुआ था, जिससे पहली नजर में यह मामला लूटपाट और हत्या का प्रतीत हो रहा था।



कुछ ही घंटे में पुलिस ने किया झूठी कहानी का पर्दाफाश

आरोपी ने रची थी नकाबपोश लुटेरों की कहानी

दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले छोटे बेटे नितेश ने नकाबपोश लुटेरों की कहानी रची थी। शुरूआती पूछताछ में घायल होने का नाटक कर रहे आरोपी छोटे भाई नितेश ने पुलिस को बताया कि रात के समय 4 नकाबपोश लुटेरे छत के रास्ते घर में दाखिल हुए थे। उसने दावा किया कि बदमाशों ने मां और भाई पर हमला कर दिया और विरोध करने पर उसके साथ भी मारपीट की और उसे बंधक बनाकर बाथरूम में डाल दिया।

ऐसे खुला कलयुगी बेटे का राज

एस्पी शलम कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जब पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने जांच शुरू की, तो नितेश के बयानों में कई विरोधाभास मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और लूट के कोई पुरावा सबूत नहीं मिले। पूछताछ में वह बार बार अपने बयान को बदल रहा था, यहीं से पुलिस को संदेह हो गया कि वह जरूर कुछ छुपा रहा है। जब पुलिस ने नितेश से कड़ाई से पूछताछ की तो आखिरकार वह टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।



संपत्ति विवाद व कर्ज बनी हत्या की वजह

पुलिस जांच और आरोपी के कबूलनामे के अनुसार हत्या की कई कारण थे। पूछताछ में आरोपी नितेश ने बताया कि उसने बाजार और सूदखोरों से लाखों रुपये का कर्ज ले रखा था। जिसके कारण वह भारी तनाव में था। इस कर्ज को चुकाने वह लगातार अपने परिवार से पैसों की मांग कर रहा था, जिसे लेकर पिछले 6 महीनों से उसका अपने बड़े भाई निलेश से विवाद चल रहा था। भाई के प्रेम संबंधों और अपनी शादी न होने को लेकर भी उसके मन में अपने भाई के प्रति गहरी नफरत बैठ चुकी थी।



तवे से हमला व रस्सी से गला घोटकर हत्या

घटना की रात जब विवाद बढ़ा तो नितेश ने गुस्से में आकर पहले रसोई में रखे भारी तवे (बर्तन) से अपने बड़े भाई निलेश के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह बेहोश हो गया। बीच-बचाव करने आई मां गायत्री देवी पर भी उसने उसी तवे से जानलेवा हमला किया। इसके बाद दोनों की मौत सुनिश्चित करने के लिए उसने कपड़े सूखाने वाली रस्सी से मां और भाई दोनों का गला घोट दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद पुलिस से बचने के लिए सारे सबूत मिटाने की कोशिश की और खुद के हाथ-पैर बांधकर डकैती का रूप दे दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विभिन्न कानूनी धाराओं के तहत जेल भेज दिया है।

चोरी के नए तरीके हमेशा से सामने आते रहे हैं, जो कि पुलिस को चकमा देते के साथ ही परेशान भी करते रहे हैं। साल भर पहले बिलासपुर के मस्तूरी और जयरामनगर क्षेत्र में ऐसा ही मामला सामने आया। महिलाओं का गाउन पहने पहुंचे युवकों के मुखौटा गिरोह ने शहर में आतंक सा मचा दिया था। 5 सप्ते मकानों व एक ज्वेलरी शॉप में धावा बोलकर 50 लाख रुपये से अधिक के जेवर व नकद चोरी कर फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालती रह गई, लेकिन एक सुराग तक नहीं मिला। आलम यह है कि एक साल बाद भी पुलिस के हाथ खाली है।



बिलासपुर ले कृष्णा तम्बोली



महिलाओं के गाउन और मुखौटा पहनकर पहुंचे चोर साल भर बाद भी पुलिस के हाथ खाली

26

मई 2025 को मस्तूरी जयरामनगर स्थित संजय ज्वेलरी शॉप के संचालक रोज की तरह दुकान बंदकर अपने घर चले गए थे। देर रात बाहरी चोर गिरोह के युवक महिलाओं की गाउन व चेहरे में मुखौटा लगाकर उनकी दुकान पहुंचे। उन्हें देखकर गांव के कुत्ते भौंकने लगे। गिरोह के कुछ सदस्यों ने कुत्तों को बिस्किट सहित अन्य खाद्य सामग्री खिलाकर शांत करा दिया। उसके बाद गिरोह के सदस्यों ने ज्वेलरी शॉप का ताला तोड़ा। शो केस के कांच को तोड़कर लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवर व गल्ले में रखा नकद रकम चोरी कर आसानी से भाग निकले। दूसरे दिन सुबह गांव के ज्वेलरी शॉप में चोरी की वारदात से हड़कंप मच गया था। सूचना पर पुलिस के आला अफसर बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने ज्वेलरी शॉप के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो तीन से चार लोग महिलाओं का गाउन व चेहरे में मुखौटा लगाकर चोरी करते नजर आए। पहली बार इस तरह की चोरी की वारदात ने पुलिस अफसरों को भी परेशान कर डाला। पुलिस ने गांव में कैम्प भी किया और आसपास क्षेत्र में चोरों का सुराग लगाने सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी खंगाला लेकिन हाथ खाली ही रहे।

पुलिस का पूरा अमला मस्तूरी जयराम नगर में हुई चोरी की सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई थी, तो चोर गिरोह ने एक तरह से पुलिस को चुनौती दे डाली। गिरोह के सदस्यों ने एक दिन बाद ही 28 मई 2025 को मोपका क्षेत्र के महावीर सिटी व गणेश वैली के दो सप्ते मकानों में धावा बोल दिया। गिरोह ने दोनों मकानों में आराम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया और फरार हो गए।

जयरामनगर, मोपका, देवरीखुर्द में लगातार वारदात

महिला के वेश में चोर

चेहरा छिपाने के लिए मुखौटा

साल भर से दहशत, पुलिस की विफलता

कुल नुकसान: 50 लाख से अधिक!

जयरामनगर, मोपका, देवरीखुर्द में वारदात

5 मकान, 1 ज्वेलरी शॉप को बनाया निशाना

सीसीटीवी फुटेज में कैद, फिर भी सुराग नहीं लगातार वारदातों से जनता में भय

पुलिस की सुस्त जांच, अपराधी बेखौफ

मुंगेली तक किया पीछा

सिलसिलेवार पांच मकान व एक ज्वेलरी शॉप में चोरी की वारदात ने पुलिस की नाक में दम कर दिया। जयरामनगर, मोपका, देवरीखुर्द में तकनीकी साक्ष्य एकत्रित करते हुए कुछ संदिग्ध मोबाइल नम्बर हाथ लगे। जिसका लोकेशन मुंगेली रोड की ओर बताया गया। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर मुंगेली तक गिरोह का पीछा किया, लेकिन गिरोह के सदस्य पुलिस अमला के लोकेशन से एकाएक गायब हो गए। उसके बाद अमला बैरंग लौट आया।

एक साल बाद भी पुलिस के हाथ खाली

फिल्महाल आलम यह है कि इस चोर गिरोह के बारे में पुलिस के पास कोई भी जानकारी नहीं है। वर्तमान में सभी मामलों की डायरी थानों में धूल खाते पड़ी हुई हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले के पुलिस का सूचना तंत्र कितना मजबूत है। एक तरह से पुलिस सिस्टम चोरों को पकड़ पाने में फेल साबित हो रही है।

शुरूआत में यह मामला अंधे कत्ल जैसा लग रहा था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस के सामने जो तथ्य निकलकर सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि अतिंदर शाहनी की दो सगी नातिनों में बड़ी दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की, उसकी नाबालिग बहन, सुमित हीरानंद लालवानी ने रकम और जेवर के लालच में हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक दो सगी बहनों ने अपनी नानी से 2 लाख रुपये की मांग की थी।

दो सगी बहनों ने प्रेमी संग रची साजिश

बुजुर्ग नानी को मौत के घाट उतारकर लूटे लाखों के गहने और कैश



मिलाई से जेएम तांडी



दो लाख और जेवरात की लालच में दो सगी बहनों ने मिलकर अपनी नानी को तकिया से मुंह दबाकर व स्टील की बोतल से सिर पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। यह सनसनीखेज मामला जुलाई 2024 को हुआ था। नानी की हत्या करने के लिए बकायदा उनकी पोतियां नागपुर से ट्रेन से भिलाई पहुंची थी। उतई पुलिस के मुताबिक 24 जुलाई 2024 को कुबेर अपार्टमेंट निवासी 56 वर्षीय अतिंदर शाहनी मकान में अकेली रहती थी। अपार्टमेंट स्थित मरान का दरवाजा कई दिनों तक नहीं खुलने पर 27 जुलाई को आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान का दरवाजा खोलकर देखने पर वृद्धा का शव सड़ी-गली हालत में मिला था। पुलिस शव को पीएम के लिए भेज दिया। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि अतिंदर शाहनी की हत्या की गई थी। पुलिस ने अपनी जांच का एंगल बदल दिया। शुरूआत में यह मामला अंधे कत्ल जैसा लग रहा था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस के सामने चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि अतिंदर शाहनी की दो सगी नातिनों में बड़ी दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की, उसकी नाबालिग बहन, सुमित हीरानंद लालवानी ने रकम और जेवर के लालच में हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक दो सगी बहनों ने अपनी नानी से 2 लाख रुपये की मांग की थी। रकम नहीं मिलने पर दोनों ने नानी की हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों घर से नकदी और जेवरात लेकर नागपुर फरार हो गई थीं। जांच में सामने आया कि बड़ी बहन ने अपने बॉयफ्रेंड की मदद से चोरी के जेवरात बेच दिए थे। दो साल बाद पुलिस ने बॉयफ्रेंड सुमित हीरानंद लालवानी को नागपुर से गिरफ्तार किया। घटना में सगी बहनों को पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया था।

ऐसा रची नानी की हत्या की साजिश

जांच में सामने आया कि दोनों बहनें दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की, उसकी नाबालिग बहन नानी से रकम का डिमांड कर रही थी। पैसे नहीं मिलने पर नातिनों ने मिलकर नानी को जान से मारने तक की पहलू धमकी दी थी। लेकिन नानी अतिंदर शाहनी रकम जेवरात देने से इंकार करने पर उसकी हत्या की साजिश रची। फिर 24 जुलाई 2024 को दोनों बहनें नागपुर से छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के जरिए मुंबई पहुंची थी। यहां से ऑटो लेकर वे सीधे पुरई स्थित अपनी नानी अतिंदर शाहनी के अपार्टमेंट में पहुंचीं। दरवाजा खुलते ही बड़ी नातिन दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की ने नानी का मुंह दबा दिया। इसके बाद दोनों बहनों ने दुपट्टे से नानी के हाथ-पैर बांध दिए। फिर मुंह पर तकिया दबाया और स्टील की पानी की बोतल से सिर पर कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की और उसकी नाबालिग बहन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

दो साल तक बॉयफ्रेंड छिपता रहा

उतई पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान बॉयफ्रेंड सुमित हीरानंद लालवानी पुलिस से छिपता रहा। इसे पकड़ने टीम बनाई गई थी, पुलिस जगह-जगह सुमित की खोजबीन में जुटी रही। जांच में बॉयफ्रेंड की कई महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस को मिलने पर टीम नागपुर के लिए रवाना हुई। सुमित हीरानंद लालवानी आखिरकार के बारे में पुलिस ने तकनीकी इनपुट और मुखबिर से मिली, सूचना के आधार पर उसका लोकेशन ट्रेस किया। जो महाराष्ट्र के नागपुर में होने की जानकारी मिली। पुलिस ट्रेन न करके हुए मौके पर पहुंची और दक्षिण देकर सुमित को गिरफ्तार कर भिलाई लाते आई। पूछताछ में आरोपी ने कई अहम जानकारी भी पुलिस को दी हैं।